बिरसा कृषि तकनीकी पार्क की स्थापना एवं वर्ष 2006 में की गयी थी। इसे मुख्यतः निम्न बातों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

- प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों का प्रदर्शन,
- अधिक पैदावार प्राप्त करने हेतु उन्नत तकनीक का उपयोग और
- नई फसलों का प्रदर्शन

1. **शाक–सब्जी फसलें** : इसमें 17 तरह की फसलों का प्रदर्शन किया गया है जो इस प्रकार हैं : टमाटर (किस्में – अरका आभा, स्वर्ण लालिमा, BT 12, चेरी टमाटर); बैगन (राजेन्द्र बैगन 2, स्वर्ण प्रतिभा); सब्जी मटर (आरकेल, स्वर्ण मुक्ति, स्वर्ण अमर); फ्रेंचबीन (अरका कोमल, पूसा पार्वती); फूलगोभी (के 25); बंधा गोभी (पूसा ड्रमहेड, गोल्डेन एकर); लौकी (अरका बहार); कोहड़ा (सूर्यमूखी), ब्रोकली (पूसा ब्रोकली); नेनुआ (IVSG 1); करेला (Co 1); शलजम (पूसा स्वर्णिमा, पूसा चन्द्रिमा); गाजर (पूसा यमदाग्नि); बथुआ (पूसा बथुआ 1); मेथी (कस्तूरी); पालक (ऑल ग्रीन) तथा सरसों (पूसा साग 1).

2. **सलाद वाली फसलें** : इसमें 5 प्रकार की फसलें प्रदर्शित की गई हैं : ब्रुसेल्स स्प्राउट (हिल्ड्स आइडियल), लेट्यूस, पकचोई, सेलरी तथा खीरा (सुपर ग्रीन).

3. **मसाला–फसलें** : कुल 5 तरह की फसलें प्रदर्शित की गई हैः हल्दी (राजेन्द्र सोनिया 5, अल्पान ग्रीन); अदरख (नदिया, बर्द्धवान),

आजवाईन; मिर्च (अरका लोहित, के ए–2) तथा सौंफ (राजेन्द्र सौंफ).

4. औषधीय फसलें : कुल 5 तरह की फसलें प्रदर्शित की गई है: स्टीविया (SRB 123), नीबू घास, बाकस, धृतकुमारी एवं सफेद मूसली.

5. चारा फसलें : कुल 12 तरह की चारा फसलें प्रदर्शित की गई हैं: गिनी घास (मकुनी), ब्रेचेरिया, संकर नेपियर, सदाबहार, बरसीम, चारा बादाम, स्टाइलो, चारा ज्वार, चारा बोदी, चारा मक्का (अफ्रिकन टॉल), चारा राइसबीन एवं जई (केन्ट).

6. फूल : जमीन का नक्शा ठीक से तैयार करके फूलों के रंग और पौधे की लम्बाई के आधार पर कुल 22 तरह के फूल प्रदर्शित किये गए हैं। कैलेन्डुला, सर्ली पॉपी, कैलीफोर्नियन पॉपी, जीनिया, एन्टरहिनम, गेंदा (फ्रेंच अफ्रीकन मेरीगोल्ड), कैन्डीटफ्ट, स्वीट विलियम, स्वीट एलाइसम, फ्लॉक्स, स्वीट पी, डहेलिया, मैजिक कार्पेट, एक्रोक्लाइनम, लार्कस्पर, डायमोरपोथिका, ल्यूपिन, डायन्थस, आर्कटोसिस, लाइनेरिया, हेलीक्राइसम तथा लोबेलिया।

इसके अलावा बहुवर्षीय फूल जैसे गुलाब (Dutch rose Red, Manipol, Miniature group (जिप्सी), Sound); ग्लैडियोलस (Candymon Jackson ville तथा अन्य किस्में), रजनीगन्धा एवं फुटबॉल लिली आदि भी प्रदर्शित किए गए हैं.

7. कन्दमूल फसलें : कुल 5 प्रकार की फसलें प्रदर्शित की गई है: कसावा या सेमलकन्द (श्री जया, श्री विजया); अरवी या पेचकी (बिरसा अरवी 1); ओल (गजेन्द्र); बण्डा या साकिन (कटमकुली) एवं शकरकन्द (बिरसा शकरकन्द 1).

8. बीज द्वारा आलू : इसके साथ ही मूल बीज आलू (92 PT 27 किस्म) की खेती प्रदर्शित की गई है.

9. खाद्यान्न फसलें: इसकी तीन फसलें जैसे गेहूँ (बिरसा गेहूँ 2, बिरसा गेहूँ 3, HUW 468, HUW 234, के 9107, HD 2888, Raj 4101, K 0307, DBW 14, NW 2036, PBW 587, HW 2045, HD 2643, HD 2672

(Durum), HI 8498 (Durum); जौ (रत्ना, केदार, ज्योति); मक्का (बिरसा मक्का 1, बिरसा विकास मक्का 2, प्रिया, अम्बर पॉपकॉर्न, HQPM 1 तथा सुआन) प्रदर्शित की गई हैं.

10. दलहनी फसलें: इसकी तीन फसलें जैसे देशी चना (BG 372, पंतजी 114, BG 256, KPG 59); काबुली चना (HK 94-134); बाकला (विक्रान्त, HB 42, HB 418, HB 203); मसूर (PL 406, PL 476, K 75) प्रदर्शित किए गए हैं.

11. तेलहनी फसलें: इसकी 5 फसलें जैसे सरसों (पूसा बोल्ड, जेडी 6, पूसा अग्रणी, सेज 2, वरूणा एवं शिवानी); तीसी (पदि्मनी, शेखर, शुभ्रा, स्वेता, टाइप 397); मूंगफली (बिरसा बोल्ड, GG 2); सोयाबीन (बिरसा सोयाबीन 1, बिरसा सफेद सोयाबीन 2 (BAUS 31), RAUS 5, JS 335) तथा सूर्यमुखी फसलें प्रदर्शित की गई हैं.

12. गन्ना : इसकी BO 147, COP 9702, BO 130, BO 136, BO 137, BO 139 किस्में प्रदर्शित की गई हैं.

13. उत्तक प्रवर्द्धित केले : उत्तक प्रवर्द्धित (Tissue Culture) केले की रोबस्टा तथा मारग्लोब किस्में प्रदर्शित की गई हैं.

14. लाह फसल : सेमिया लता *(Flamengia)* पौधा पर लाह की खेती प्रदर्शित की गई है.

15. कपास : धान काटने के बाद गर्मा मौसम में कपास की किस्म अरविन्दो (PPS 2) प्रदर्शित की गई है.

16. एले क्रॉपिंग (Alley cropping) : सूबबूल को 5 मीटर की दूरी पर लाइन में बुवाई कर प्रदर्शित किया गया है। इसके बीच में खरीफ मौसम में उपराऊ धान, उड़द व रागी की खेती की गयी थी.

17. बिना जुताई (Zero tillage) की गेहूँ की खेती : धान काटने के तुरन्त बाद मशीन द्वारा लाईन में बचे नमी की उपयोग करने हेतु बिना

जुताई किये हुए गेहूँ की कृषि–विधि प्रदर्शित की गई है। इसमें K 9107 गेहूँ की किस्म अच्छी पायी गयी है.

18. शुष्क भूमि खेती : झारखण्ड की उबड़–खाबड़ जमीन को देखते हुए अरहर की बहार किस्म की दो पंक्तियों (75 से.मी.) के बीच खरीफ मौसम में उपराऊ धान (वन्दना), मूंगफली (AK 12 24), मक्का, ज्वार आदि की खेती प्रदर्शित की गई है.

19. खरपतवार एवं उनका नियंत्रण : तकनीकी पार्क में 15 तरह के खरपतवार का प्रदर्शन किया गया है, जिसकी पहचान कर उसके नियंत्रण के बारे में भी दर्शाया गया है.

20. जेट्रोफा (रतन जोत) : यह एक नई जैव ईंधन (Bio-fuel) फसल है जिसे बंजर जमीन तथा खेत की मेड़ो पर बाड के रूप में लगाकर उत्पादन किया जा सकता है.

वैज्ञानिकगण

के. के. प्रसाद, जी. पी. श्रीवास्तव, डी. एन. सिंह, कन्हैया राय, सोहन राम, एम. एस. यादव, आर. आर. उपासनी, आर. एन. राय, प्रशांत कुमार, संयत मिश्र, योगेश कुमार, नीरज कुमार, एस. एन. कर्मकार, एस. सेनगुप्ता, विद्यारतन सिंह, उत्तम कुमार, नूतन वर्मा एवं पूनम होरो

Concept & Editing. Prof. B. N. Singh, Director Research
Financial Support : NHM

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :

निदेशक अनुसंधान, अनुसंधान निदेशालय, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, काँके, राँची – 834006
दुरभाष–0651 – 2450610 (का0), फैक्स–0651–2451011 / 2450850 मोबाईल–94319 58566
Email : dr_@rediffmail.com

(01/08) Annapurna Press, 2330875, 2331800